>

Title: Need to take steps for proper storage of foodgrains in the country.

श्री महेश जोशी (जयपुर): प्रकाशित रिपोर्ट्स के आधार पर मालूम हुआ है कि हमारे देश में कई जगहों पर खासतौर पर उत्तरी भारत में खाद्य भंडारण का तरीका ठीक नहीं है या इसमें लापरवाही बरती जा रही है। आज कई स्थानों पर हमारा अनाज खुले आसमान के नीचे रखा हुआ है। इस मानसून सीजन के बाद इसमें से आधे से ज्यादा अनाज सड़ जायेगा और ये पशुओं के खाने लायक भी नहीं रहेगा। कई जगहों पर यह भी देखने में आया है कि गोदामों में पेयजल की बोतलें रखी हई हैं और अनाज बाहर सड़ रहा है। जिन अधिकारियों और संस्थाओं ने ऐसा कार्य किया हुआ है उन पर सख्त कार्रवाइ होनी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की गड़बड़ी न हो।

इस विषय में मैं कुछ सुझाव और देना चाहता हूं। अनाज को साधारण बोरियों में भरने की बजाए पोलीथीन की बोरियों में भरा जाए ताकि अनाज नमी की वजह से खराब न हो। पक्के गोदाम ज्यादा से ज्यादा संख्या में बनाए जाएं जिससे की भंडारण की समस्या उत्पन्न ना हो। अगर हमारे पास गोदामों की कमी हो तो हमें कोशिश करके निजी क्षेत्र के गोदामों को किराये पर लेना चाहिए। सरकारी एजेन्सियों की कोशिश रहनी चाहिए कि एक भी बोनी अनाज खुले आसमान के नीचे न रखा जाए ताकि अनाज को सड़ने से बचाया जा सके। यदि अनाज अतिरिक्त मात्रा में हो तो उसे गरीबों में बांटने में भी किसी प्रकार की झिझक नहीं होनी चाहिए।